लाखों के जेवर व नगदी चुराने वाली गैंग का पर्दाफाश, चार जने गिरफ्तार

चोरी का माल खरीदने वाला स्थानीय ज्वैलर्स भी पुलिस की गिरफ्त में आया

कुचामन पुलिस ने लाखों के जेवर और नकदी चुराने वाली एक गैंग का पर्दाफाश किया।

- आरोपियों से 5500 ग्राम चांदी, चांदी के बर्तन एवं 100 ग्राम सोना बरामद किया
- कुचामन के एक मकान में सेंधमारी कर लाखों के जेवरात व नगदी चोरी किए थे
- राज्य के सात जिलों में दर्जनों गंभीर आपराधिक मामलों में वांछित है गैंग के बदमाश

डीडवाना, (निसं)। डीडवाना जिले की कुचामन पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने लाखों रुपए के जेवरात और नकदी चुराने वाली एक गैंग का पर्दाफाश करते हुए चार शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। साथ ही चोरी का माल खरीदने वाले एक ज्वैलर्स को भी पकड़ा है। पुलिस ने आरोपियों से 5500 ग्राम चांदी, चांदी के बर्तन और 100 ग्राम सोना भी बरामद किया है। साथ ही वारदात में इस्तेमाल की गई होंडा सिटी कार को भी जब्त किया है।

पुलिस के अनुसार यह चोर गैंग जयपुर, अजमेर, नागौर, भीलवाड़ा, अलवर, चूरू और सीकर जिलों में सक्रिय थी। राज्य के सात जिलों में इस गैंग के बदमाशों पर दर्जनों गंभीर आपराधिक मामले दर्ज है। अब पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर रही है। पुलिस को चोरी, लूट सहित अनेक आपराधिक वारदातों का खुलासा होने की उम्मीद है।

कुचामन के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेमीचंद खारिया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस गैंग का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि गत दोनों कुचामन शहर के एक घर के ताले तोड़कर इन चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। यह चोर इस मकान से सोने चांदी के आभूषण, चांदी के बर्तन सहित नगदी चुरा कर ले गए थे। साथ ही घर में लगे सीसीटीवी कैमरा की डीवीआर मशीन भी उठाकर ले गए थे। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू की और आसपास लगे 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरे चेक किए। इस दौरान वारदात में एक कार में सवार चार-पांच व्यक्तियों द्वारा चोरी करने का इनपुट सामने आया, जिस पर पुलिस ने चोरों की सघन तलाश की। पुलिस ने पेशेवर चोरों के साथ ही संदिग्ध और स्थानीय लोगों पर भी नजर रखी। इस दौरान सुरसुरा निवासी मुन्ना नामक एक व्यक्ति से जब पूछताछ की गई तो उसने चोरी की वारदात में शामिल होने की बात स्वीकारी। साथ ही अपने अन्य साथियों के बारे में भी पुलिस को जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने कुचामन निवासी आसिफ उर्फ आसू को गिरफ्तार कर लिया। वहीं अजमेर की सेंट्रल जेल में बंद एक अन्य आरोपी प्रवीण कुमार को भी प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर लिया। इसके अलावा इन चोरों से चोरी का माल खरीदने वाले ब्यावर निवासी ज्वैलर्स भरत सोनी को भी गिरफ्तार किया गया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पुलिस की जांच में सामने आया है कि आरोपी दिन में सुने और बंद मकान की रेकी करते थे और रात को अपने साथियों को बुलाकर चोरी को अंजाम देते थे। उसके बाद माल को अपने साथियों के साथ भेज कर दिन में फिर से अपने काम धंधे पर चले जाते हैं, ताकि किसी को कोई शक नहीं हो। दिन के समय रेकी करते हुए सीसीटीवी कैमरा से बचने के लिए मुंह पर गमछा लपेट लेते थे और अपनी चाल भी बदल लेते थे, ताकि सीसीटीवी फुटेज में कोई इन्हें पहचान नहीं सके। अगर घर में भी सीसीटीवी कैमरे लगे होते हैं, तो उनकी डीवीआर मशीन खोलकर साथ ले जाते और सुनसान जगह फेंक देते। वारदात के समय अपने मोबाइल फोन भी घर पर ही छोड़ देते थे, ताकि घटनास्थल पर उनकी लोकेशन का पता नहीं चल सके। घटना के बाद बदमाश मुख्य रास्तों से नहीं जाकर अलग-अलग रास्तों और टोल नाकों को छोड़ते हुए अपने ठिकाने तक पहुंचते थे।

प्रसूता की मौत के बाद चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाई की मांग

- सरगरा समाज ने धरना प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा
- घटना के दूसरे दिन डॉक्टर के खिलाफ कोतवाली थाने में मामला दर्ज कराया गया था, अभी तक कार्रवाई नहीं हुई

जालोर, (कासं)। जालोर के मातृ एवं स्वास्थ्य शिशु चिकित्सालय जालोर में गत दिनों प्रसूता की मौत के बाद चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने पर मंगलवार को सरगरा समाज ने आक्रोश जताकर कलेक्ट्रेट पर धरना प्रदर्शन किया। वहीं सड़क पर जाम लगार मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर डॉ. प्रदीप के .गावंडे को ज्ञापन सौंपा।

जालोर के एमसीएच हॉस्पिटल में गत दिनों खुशबु सरगरा की प्रसव के दौरान मौत होने पर मृतक महिला के परिजनों ने आरोप लगाया कि डॉक्टर ने मौत होने के बाद रेफर कर गुमराह किया। प्रसूता की मौत हॉस्पीटल में होने के बाद परिजनों को गुमराह करते हुए प्रसूता को आगे रैफर किया गया। कुछ दूरी जाने के बाद आहोर हॉस्पिटल में प्रसूता को चैकअप करने पर वह मृत घोषित होने के बाद परिजन पुन: जालोर हॉस्पीटल लेकर आये तथा हॉस्पिटल में चिकित्सक कमला भारती पर लापरवाही का आरोप लगाकर चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाइ करने को लेकर हंगामा कर दियाा जिसके बाद प्रसूता की मौत को लेकर जांच कमेटी का गठन किया गयाा, लेकिन जांच कमेटी ही चिकित्सक स्टॉफ होने से आज दिन तक कोई जांच रिपोर्ट तक प्रस्तुत नहीं करने पर सरगरा समाज का मंगलवार को आक्रोश फूटा और कलेक्ट्रेट के समक्ष एकत्रित होकर चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाइ की मांग को लेकर नारेबाजी करने लगे।

परिजनों ने बताया कि घटना के दूसरे दिन डॉक्टर के खिलाफ कोतवाली थाने में मामला दर्ज कराया गया था और सीएमएचओ ने तीन दिन में जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया था, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

सीएमएचओ के तीन दिन आश्वासन देने के बाद भी प्रसूता की मौत को लेकर गठित कमेटी द्वारा जांच रिपोर्ट नही देने से सरगरा समाज में आक्रोश फैल गया। वहीं कलेक्टर को ज्ञापन देने के लिए जाते समय सरगरा समाज ने जिला कलेक्टर को बाहर आकर ज्ञापन लेने के लिए मांग करने लगे, लेकिन जिला कलेक्टर के बाहर नहीं आने पर नाराज समाज के लोगों ने आहोर चौराहे से अस्पताल जाने वाली सड़क को करीब आधे घंटे तक जाम कर दिया और जमकर प्रदर्शन किया। पुलिस ने समझाइश कर लोगों को शांत कराया, लेकिन उन्होंने कहा कि जब तक डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई नहीं होगी, तब तक धरना जारी रखेंगे।

मृतक महिला के जेठ जेठाराम ने बताया कि सियाणा के चांदणा निवासी खुशबु पत्नी जितेन्द्र कुमार सरगरा के डिलीवरी के समय दर्द होने पर जिला मुख्यालय स्थित एमसीएस हॉस्पिटल लेकर आए थे। जहां मौजूद महिला डॉ. कमला भारती ने उसका इलाज शुरू किया। डॉक्टर ने कहा था कि शाम सात बजे तक डिलीवरी हो जाएगी और इलाज शुरू कर दिया। शाम तक डॉक्टर कहती रही कि सब कुछ नॉर्मल है। डिलीवरी भी नॉर्मल हो जाएगी। जिसके बाद शाम होते-होते डॉक्टर कमला ने कहा कि ऑपरेशन करना पडेगा। परिजनों ने इसकी सहमति दे दी।

करीब रात आठ बजे डॉ. कमला भारती खुशबू को ऑपरेशन थिएटर ले गई। इसके बाद बाहर से बेहोशी (एनेस्थीसिया) के लिए इंजेक्शन मंगवाए। एक के बाद एक दो इंजेक्शन खुशबू को लगा दिए। इंजेक्शन लगाने के बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई, जिससे उसकी मौत हो गई। जिसकी डॉक्टर ने हमें कोई जानकारी नहीं दी और रात नौ बजे पाली रेफर कर दिया। खुशबू की धड़कन नहीं चल रही थी। परिजनों ने कहा कि खुशबू हिल-डुल भी नहीं रही थी। इस पर कमला भारती ने कहा कि बेहोशी के इंजेक्शन लगे हैं, इसलिए नहीं हिल रही है। इसे पाली ले जाओ। परिजन एंबुलेंस से रात 9.30 बजे पाली के लिए रवाना हुए। जालोर से 20 किलोमीटर चलने के बाद प्रसूता को आहोर के प्राइवेट हॉस्पिटल में चेक कराया, जिसमें डॉक्टर ने बताया कि उसकी एक घंटे पहले मौत हो चुकी थी। सरगरा समाज ने ज्ञापन सौपकर चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की गई। इस दौरान काफी संख्या में सरगरा समाज के लोग मौजूद रहे।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की कॉपी चैकिंग मामले में चार टीचर सस्पेंड

- स्वयं के बजाय इन्टर्न से कॉपी चैक करवाई, महिला लेक्चरर ने देखा तो फोटो वीडियो वायरल किए

बीकानेर, (निसं)। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर की कॉपी जांच के प्रति सरकारी स्कूल के टीचर्स कितनी गंभीरता बरतते हैं, इसके कई उदाहरण पिछले दिनों सामने आया। इस पर माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने गंभीर कार्रवाई करते हुए चार टीचर्स को सस्पेंड कर दिया है। इनमें किसी ने स्वयं को आवंटित कॉपी अस्थायी टीचर्स को जांचने के लिए सौंप दी तो किसी ने इसी का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर भेज दिया। इतना ही नहीं कुछ टीचर्स तो कॉपी की जांच का कुछ काम अपने परिजनों को सौंप दिया। कॉपी के वीडियो तक सोशल मीडिया पर डाल दिए गए। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की रिपोर्ट पर निदेशालय ने निलंबन की कार्रवाई की है।

निदेशालय की ओर से जारी रिपोर्ट के मुताबिक बोर्ड की दसवीं क्लास की 2025 परीक्षा के गणित विषय की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के संबंध में ओमप्रकाश सैनी, वरिष्ठ अध्यापक, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, रेलवे स्टेशन, अलवर को आवंटित की गई। परीक्षक द्वारा उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन सुरक्षित एवं गोपनीय रूप से नहीं कर इन्टर्न कर रहे छात्रों के समक्ष खुली छोड़कर अन्यत्र चले जाने से इसी विद्यालय की हिन्दी साहित्य की व्याख्याता मीनाक्षी अरोड़ा ने उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो खींचकर मीडिया में दे दी। उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन गोपनीय रूप से नहीं किये जाने एवं कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही पूर्वक किये गये कृत्य के कारण जांच में दोषी पाये जाने पर मीनाक्षी अरोड़ा, व्याख्याता एवं ओमप्रकाश सैनी वरिष्ठ अध्यापक को तत्काल निलम्बित कर दिया गया।

इसी प्रकार माध्यमिक परीक्षा 2025 के संस्कृत विषय की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए भवरूद्दीन, वरिष्ठ अध्यापक, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बागोट, डीडवाना-कुचामन को आवंटित की गई। परीक्षक ने अपने साथी प्रदीप कुमार शर्मा, अध्यापक, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, निम्बड़ी, मकराना का सहयोग लिया। प्रदीप कुमार शर्मा ने अपने पिता से भी केजिंग करवाई गई। उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन गोपनीय रूप से नहीं किये जाने एवं कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही पूर्वक किये गये कृत्य के कारण जांच में दोषी पाये जाने पर भवरूद्दीन, वरिष्ठ अध्यापक एवं श्री प्रदीप कुमार शर्मा, अध्यापक को तत्काल निलम्बित कर दिया गया।

संस्कृत की कॉपी किराना की दुकान पर चैक हो रही थी। इसका वीडियो भी बनाया गया। इसी वीडियो के आधार पर कार्रवाई की गई है। माध्यमिक परीक्षा संस्कृत विषय की 366 उत्तर पुस्तिकाऐ शाला दर्पण पर पंजीकृत शिक्षक भवरूद्दीन, वरिष्ठ अध्यापक, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बागोट, डीडवाना-कुचामन को आवंटित की गई थी। मामले की शिकायत मिलने पर जिला शिक्षा अधिकारी ने जांच की, जिसमें पता चला कि कॉपी चैक करने के बजाय भवरुदीन ने ये कॉपी प्रदीप कुमार शर्मा, राउ माध्यमिक विद्यालय, निम्बड़ी, मकराना को दे दी। कॉपी चैक के बाद उसके पिता भी कॉपी पर काम करते वीडियो में नजर आ रहे हैं। जांच में सामने आया है कि चारों टीचर्स ने गोपनीयता भंग करने का काम किया। किसी ने कॉपी रिकार्ड पर ली और बाद में चैक करने के लिए दूसरे साथी को दे दी। किसी भी कॉपी को आगे नहीं दिया जा सकता। इसी तरह कॉपी को खुला छोड़ने की शिकायत करने के बजाय महिला टीचर ने उसका फोटो और वीडियो मीडिया को दिया लेकिन अपने विभाग को सूचना नहीं दी। ऐसे में प्रकरण के संबंध में प्रमाण देने वाली टीचर पर भी कार्रवाई की गई है।

सौ मॉडल तालाबों का चयन कर गहरा कराने का कार्य कराने वाला पहला जिला बना डूंगरपुर

स्वच्छ भारत मिशन एसबीएम के प्रदेश समन्वयक के.के. गुप्ता ने डूंगरपुर जिले के दोवड़ा ब्लाक में चयनित दोवड़ा, फलौज एवं पगारा पंचायत के मॉडल तालाब का निरीक्षण किया

- स्वच्छ भारत मिशन के प्रदेश समन्वयक के.के. गुप्ता की पहल पर कलेक्टर अंकित कुमार सिंह ने जल क्रान्ति की अनूठी मुहिम शुरू कराई

डूंगरपुर। दक्षिणी राजस्थान के आदिवासी बहुल डूंगरपुर जिले ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के "जल है तो कल है" के मूल मंत्र को अंगीकार करते हुए जिले के 100 मॉडल तालाबों का चयन कर उन्हें गहरा कराने एवं साफ सफाई तथा सौन्दर्यकरण का कार्य हाथ में लिया है। ऐसा करने वाला डूंगरपुर राजस्थान का पहला जिला है।

स्वच्छ भारत मिशन एसबीएम के प्रदेश समन्वयक के.के. गुप्ता की पहल पर जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह द्वारा शुरू कराई जल क्रान्ति की इस अनूठी मुहिम के अन्तर्गत जिले की दस पंचायत समितियों के प्रत्येक ब्लॉक में दस-दस तालाबों का चयन कर उन्हें गहरा कराने का काम शुरू कर दिया गया है। जिले के 100 तालाबों की गहराई बढ़ने से मानसून की वर्षा में इनमें अधिक पानी का संचय हो सकेगा तथा डूंगरपुर जिले में शुरू किया गया जलक्रांति का यह शंखनाद पूरे प्रदेश के लिए एक आदर्श मॉडल बनेगा। जल संचय की इस अनूठी मुहिम को धरातल पर लाने के लिए जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह एवं जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हनुमान सिंह राठौड़ ने जिले के ग्राम पंचायत क्षेत्रों में पड़ने वालों तालाबों की साफ़ सफाई और उनमें जमी मिट्टी को बाहर निकाल कर उन्हें गहरा करने के लिए मनरेगा के श्रमिकों को लगाया गया है और कार्य की निगरानी के लिए प्रभारी अधिकारी भी नियुक्त किए गए है। इस साल मानसून की मेहर रही तो डूंगरपुर जिले की यह मेहनत ऐसा रंग लाएगी कि देश विदेश में यह एक बेजोड़ उदाहरण बन जाएगी।

राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप एक बार फिर डूंगरपुर जिले में जल संचय का बीडा उठाया गया है। जिले के दस ब्लाक में चयनित सौ तालाबों की जलभराव क्षमता बढ़ाने जलआवक मार्गो से अवरोध हटाएं जा रहे है, तालाब की डिसल्टिंग की जा रही है। झांडियों की कटाई, पालों की मरम्मत और सौंदर्यकरण के कार्य किए जा रहे हैं।

एसबीएम के प्रदेश समन्वयक के.के. गुप्ता ने डूंगरपुर जिले के दोवड़ा ब्लाक में चयनित दोवड़ा, फलौज एवं पगारा पंचायत के मॉडल तालाब का निरीक्षण किया और इनमें चल रहे कार्यों और तालाबों की बदलती तस्वीर पर संतोष जताया। गुप्ता ने अधिकारियों और कार्मिकों का हौंसला बढ़ाते हुए कहा कि जल संचय के लिए बहाया जा रहा यह पसीना व्यर्थ नहीं जाएगा। उन्होंने वेलडन कहकर सभी की सराहना की और उन्होंने प्रशासन की कार्यशैली की सराहना की।

गुप्ता ने जन साधारण से अपील की है कि वे जिले के तालाबों की गहराई बढ़ाने और उनका सौंदर्यकरण करने की इस पवित्र मुहिम में एक दिन का श्रमदान कर अपना योगदान प्रदान करें और अपनी क्षमता अनुरूप तालाब की डिसल्टिंग (मिट्टी निकालने) कार्य में हाथ बढ़ाएं। साथ ही प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के जल संचय अभियान को अपना अभियान बना कर सफल बनाएं। मानसून के दौरान यह तालाब जल संचय का संगीत सुनाएंगे और जनजीवन और पशुओं के लिए पर्याप्त पानी की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी। गुप्ता द्वारा किए निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त विकास अधिकारी गिरीश कलाल, सहायक अभियंता पुनमचंद मेघवाल, दयाशंकर परमार, जेटीए कीर्ति वैष्णव, ग्राम विकास अधिकारी प्रेमशंकर परमार सहित मेट एवं ग्रामीण मौजूद थे।

नीट छात्रा की आत्महत्या का मामला : जान देने के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज

- परिजनों के अनुसार बालिका कुछ मानसिक रूप से भी परेशान थी और उसकी दवाइयां भी चल रही थी
- छात्रा ने किसी युवक से बात करते हुए ही घटना को अंजाम दिया था, मृतक छात्रा के परिजन बिना पोस्टमार्टम के शव ले जाना चाहते थे

कोटा, (निसं)। जम्मू-कश्मीर से कोटा आकर मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम नीट यूजी की तैयारी कर रही छात्रा की आत्महत्या का मामला 25 मई को सामने आया था। इस मामले में कोटा की महावीर नगर थाना पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने का प्रकरण दर्ज किया है।

थानाधिकारी महावीर नगर रमेश कविया ने बताया कि घटनाक्रम के बाद छात्रा के शव को मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया था। परिजनों को भी संबंध में सूचना दी गई थी। परिजन मंगलवार सुबह कोटा पहुंचे। उन्होंने आत्महत्या के संबंध में शिकायत दी है। सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देशों के अनुसार इस मामले में भी भारतीय न्याय संहिता की धारा 108 के तहत आत्महत्या के लिए उकसाने का प्रकरण दर्ज किया जाएगा। जानकारी के अनुसार छात्रा ने किसी युवक से बात करते हुए ही घटना को अंजाम दिया था। मृतक छात्रा के परिजन बिना पोस्टमार्टम के शव ले जाना चाहते थे। वह जम्मू-कश्मीर से आने के पहले भी यह बात कर चुके थे। कोटा पहुंचने के बाद भी पुलिस से उन्होंने यही बात कही थी। हालांकि सुप्रीम कोर्ट के हाल ही में दिए दिशा-निर्देश का हवाला देते हुए पुलिस ने पोस्टमार्टम को जरूरी बताया। परिजनों से समझाइश की। इसके बाद परिजनों ने पोस्टमार्टम में सहमति दी है।

महावीर नगर थानाधिकारी रमेश कविया ने बताया कि परिजनों के अनुसार बालिका कुछ मानसिक रूप से भी परेशान थी और उसकी दवाइयां भी चल रही थी। सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देश अनुसार हमने मुकदमा दर्ज किया। उसके बाद ही पूरा क्लियर हो पाएगा।

आबकारी विभाग के दो कर्मचारियों ने नाबालिग से कुकर्म किया

बताया जा रहा है कि आरोपी तीन दिन से बच्चे का शोषण कर रहे थे

अनूपगढ़, (निसं)। श्रीगंगानगर आबकारी विभाग के दो कर्मचारियों के नाबालिग से कुकर्म का मामला सामने आया है। बच्चे ने घटना की जानकारी परिवार को दी। गुस्साए परिवार और पड़ोसियों ने एक्साइज ऑफिस में हंगामा कर दिया। भीड़ ने एक आरोपी को पीट दिया, जबकि दूसरा आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना सोमवार रात आठ बजे अनूपगढ़ के आबकारी निरोधक दल के ऑफिस की है। बताया जा रहा है कि आरोपी तीन दिन से बच्चे का शोषण कर रहे थे।

एसएचओ ईश्वर जांगिड़ ने बताया कि पीडित नाबालिग अपने दोस्तों के साथ प्राचीन गढ़ क्षेत्र में क्रिकेट खेलने जाता था, जहां आबकारी निरीक्षक दल का भी ऑफिस है। इसी दौरान आबकारी निरोधक दल के सिपाही प्रताप सिंह और प्राइवेट ऑपरेटर देवीलाल बीते 3 दिनों से उसके साथ मारपीट कर कुकर्म कर रहे थे। रात को भी दोनों आरोपियों ने नाबालिग से मारपीट कर बारी-बारी से कुकर्म किया।

परिजनों ने बताया कि बच्चे को आरोपी डराया-धमका रहे थे, इसी कारण उसने किसी को कुछ नहीं बताया। दर्द से तड़पता हुआ पीड़ित रात करीब आठ बजे रोता हुआ घर पहुंचा। बार-बार पूछने पर भी वह कुछ बताने को तैयार नहीं था, लेकिन हिम्मत कर उसने घटना के बारे में बताया। इसके बाद परिजन, पड़ोसी और अन्य स्थानीय लोग आबकारी कार्यालय पहुंच गए। भीड़ को आता देख एक कार्मिक मौके से फरार हो गया।

एसएचओ ईश्वर जांगिड़ ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया जा चुका है और पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। इससे पहले मारपीट की सूचना पर रात 11 बजे पुलिस एक्साइज ऑफिस पहुंची थी। भीड़ से घिरे आरोपी को पुलिसकर्मियों ने बड़ी मुश्किल से छुड़ाया। रात को ही परिवार की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया। वहीं, बीकानेर आबकारी जोन के एडिशनल कमिश्नर रियाजुद्दीन उस्मानी ने मामले की जांच के निर्देश दिए हैं।

नाबालिग से अश्लील हरकतें

- पीड़िता के पिता की शिकायत पर पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज हुआ

अजमेर, (कासं)। नसीराबाद रेलवे स्टेशन पर एक नाबालिग बालिका के साथ अश्लील हरकतें और जबरदस्ती का प्रयास करने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता के पिता की शिकायत पर नसीराबाद सिटी थाने में पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार पीड़ित पिता ने बताया कि उनकी नाबालिग पुत्री कोचिंग करती है। वह गत 21 मई को सांवरिया सेठ और चित्तौड़गढ़ से दर्शन कर लौट रही थी। नसीराबाद रेलवे स्टेशन पर सुबह जब वह उतरी तब एक परिचित युवक उसे मिला और बातचीत करते हुए बहला-फुसलाकर एकांत स्थान पर ले गया। वहां उसने अश्लील हरकतें करते हुए जबरदस्ती का प्रयास किया। जब नाबालिग ने विरोध किया तो आरोपी ने उसे धमकाया कि यदि उसने किसी को बताया तो उसका जीना मुश्किल कर देगा। पीड़िता के अनुसार आरोपी युवक के साथ उसके दो अन्य साथी भी मौजूद थे। जब बालिका घर पहुंची तो उसकी गर्दन पर नाखून के निशान देखकर परिजनों को संदेह हुआ। पूछताछ करने पर पीड़िता ने आपबीती सुनाई। इसके बाद जब परिजनों ने आरोपी को फोन कर बात की तो उसने लड़की को उठा ले जाने की धमकी दी। इतना ही नहीं उसके साथियों ने भी फोन पर गाली-गलौच कर धमकी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विधवा के घर से 5.50 लाख की नगदी और जेवर चोरी

वारदात के बाद संदूक घर से लगभग 500 मीटर दूर खेत में मिली, जिसके ताले और कुंदे टूटे हुए थे।

- महिला की चार बेटियों की शादी अगले महीने प्रस्तावित थी, जिसके लिए उसने रकम व जेवर घर में रखे थे
- महिला संती देवी ने बताया कि यह रकम बेटे की सड़क दुर्घटना में मौत के बाद मिले बीमा क्लेम से प्राप्त हुई थी

नारायणपुर, (निसं)। नारायणपुर थाना क्षेत्र के ग्राम नांगलहेडी में बीती रात अज्ञात चोरों ने एक विधवा महिला के घर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। महिला की चार बेटियों की शादी अगले महीने प्रस्तावित थी, जिसके लिए उसने बेटे के सड़क दुर्घटना में मौत के बाद प्राप्त बीमा क्लेम से बैंक से निकाली गई रकम व जेवर घर में रखे हुए थे।

पीड़िता संती देवी पत्नी स्व. झूथाराम गुर्जर ने बताया कि वह अपनी तीन बेटियों के साथ बैठक के कमरे में कूलर चलाकर सोई हुई थी। इसी दौरान चोरों ने घर के पिछले हिस्से की दीवार में लगी सीमेंट की जाली को तोड़कर घर में प्रवेश किया। चोरों ने दो संदूकों के कुंदे तोड़कर उनमें रखे करीब 5.5 लाख रुपये नकद और 1.5 किलो चांदी के जेवर जिनमें पायजेब, हंसली, चेन, अंगूठी, पौछी आदि चोरी कर फरार हो गए। सुबह करीब छह बजे जब संती देवी की नींद खुली तो घर के मुख्य दरवाजे की कुंडी अंदर से लगी मिली। संदेह होने पर पीछे जाकर देखा तो खिड़की की जाली टूटी हुई थी। जांच करने पर एक संदूक गायब मिली और दूसरी संदूक टूटी हुई मिली। महिला ने तत्काल आस-पास के लोगों को सूचित किया और नारायणपुर थाने में सूचना दी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया। खोजबीन के दौरान एक संदूक घर से लगभग 500 मीटर दूर खेत में मिली, जिसके ताले और कुंदे टूटे हुए थे। संती देवी ने बताया कि यह रकम और जेवर उनके बेटे की सड़क दुर्घटना में मौत के बाद मिले बीमा क्लेम से प्राप्त हुए थे, जिन्हें उन्होंने चार बेटियों की शादी के लिए सहेजकर रखा था। अब यह पूरी पूंजी चोरी हो जाने से वे बेहद सदमे में हैं। पीड़िता एक गरीब विधवा महिला हैं और परिवार में कमाने वाला कोई नहीं है। उन्होंने प्रशासन से न्याय की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।